जीवन (जे के)

भगवान् परीक्षा लेते हैं

कुंदन घर का बड़ा बेटा पर दो बहनों से छोटा एक बहन एक भाई से बड़ा मतलब पांच भाई बहन और माता पिता। बात कर रहा हूँ आज से पच्चीस साल पहले की। कुंदन के पिताजी भगत राम जी सीधे साधे भले इंसान पर किस्मत खराब। पहले विरोज़े का काम किया फ़िर गार्ड की नौकरी। कमाई इतनी कि कभी कभी आटा भी पड़ोसी से लाते। चलो खैर छोड़ो इन बातों को यह कहानी कभी बाद में सुनाऊंगा। जब भगत राम को गार्ड की नौकरी छोड़नी पड़ी क्यूँ कि कंपनी ने कहा अब कैमरे लगा लिए हैं और हमें गार्ड की ज़रूरत नहीं है। तब बेचारा क्या करता तो गाँव आकर दिहाड़ी मजदूरी का काम शुरू किया पेट तो पालना था अपना भी और तीन बच्चों और बीवी का भी। दो बेटियां तो ब्याह दी गई थीं। कुंदन ने हाल ही में स्नातक की परीक्षा दी थी। छोटा बेटा विनोद दसवीं में था और छोटी बेटी ने बारहवीं की पढ़ाई पूरी की थी। एक दिन अचानक भगत राम की तवीयत ख़राब हो गई। अस्पताल लेकर गए तो पता चला कैंसर है और बहुत जल्दी ओपरेशन करना पड़ेगा। सारा परिवार एकदम से दुःख के सागर में डूब गया। अब क्या होगा कैसे होगा। अकेला कमाने बाला आदमी और वो ख़ुद बीमार पड़ गया। उसी दौरान गाँव के जो पूर्व प्रधान थे विधायक चुने गए थे उनके पास गए सारी व्यथा सुनाई बहुत भले आदमी थे झट से बोले मेरे होते क्यूँ चिंता करते हो? अगले ही दिन भगत राम और कुंदन को साथ लिया और चल निकले प्रदेश के सबसे बड़े अस्पताल के लिए। ख़ुद भगत राम की जांच करवाई अस्पताल में भर्ती करवाया और डॉक्टर को कहा यह मेरे घर का आदमी है उपचार में कोई लापरवाही नहीं होनी चाहिए। ओपरेशन हो गया कहते हैं उस वार्ड में चौदह मरीज़ थे कैंसर के और दूसरे तीसरे दिन एक एक करके उनकी मृत्यु हो जाती थी कुंदन अकेला बाप के साथ अस्पताल में देखभाल करता मन में कई सवाल आते कि क्या होगा अगर पापा नहीं रहेंगे तो। जितना याद है वो बाप बेटा छत्तीस दिन अस्पताल में रहे विधायक साहब ने पूरा साथ दिया और उन चौदह कैंसर के मरीजों में से बस भगत राम ही जिंदा वापिस आया। कुंदन तो बेचारा बीस साल का बच्चा बाप के साथ अस्पताल में रह कर मजबूत हो गया था घर वापिस आए सारे बहुत खुश हुए। अब घर का निर्वाह कैसे होगा? जो सबका पेट पालता था वो तो बिस्तर पर था। पर कहते हैं ईश्वर परीक्षा लेते हैं और जो उस परीक्षा में मैदान नहीं छोड़ते उनको अच्छा फल मिलता है। कुंदन ने एक साल पहले लिपिक के पद के लिए परीक्षा दी थी।

परिणाम आया और कुंदन का चयन हो गया I जो बाप इतने बड़े ओपरेशन के बाद टूट चुका था उसके चेहरे पर रौनक आ गई I कुंदन नौकरी करने चला गया I लो एक और मुसीबत I विनोद कुंदन का छोटा भाई वो बीमार पड़ गया बहुत उपचार करवाया कोई फर्क नही पड़ा I जिला अस्पताल बालों ने कहा इसको प्रदेश के बड़े अस्पताल ले जाओ I कुंदन को पहली तनख़्वाह मिली थी शायद पच्चीस सौ रुपए I चल पड़ा बेचारा उसी अस्पताल की तरफ़ जिसमे पिताजी का ओपरेशन करवाया था पर इस बार थोड़ा हौसला था कि तनख़्वाह मिल गई है I उस वक़्त पच्चीस सौ रुपए बहुत होते थे I रास्ते में विनोद से बोला I तू चिंता न कर सब ठीक हो जाएगा I अस्पताल से जब हम वापस आएंगे तो तुम्हें वहाँ की मशहूर आईस क्रीम खिलाऊंगा I पिछली बार यहाँ छत्तीस दिन रहे थे पर आईस क्रीम नहीं खा पाया था क्युंकि पैसे नहीं थे I पर जब भी इस तरफ़ आता था तो इस चिनार के पेड़ के नीचे बड़ी भीड़ होती थी लोग आईस क्रीम खाने आते थे तुम्हें भी खिलाऊंगा और मैं भी खाऊंगा I पर यह क्या? डॉक्टर ने टेस्ट किए पता चला बहुत घातक संक्रमंण है I आज से ही दवाई शुरु करनी होगी I अरे इसमें कौन सी बड़ी बात है आज से ही दवाई शुरू कर देंगे कुंदन ने विनोद को हौसला देते हुए कहा I भाई साहब यह दवाई देना कुंदन ने दुकान पर जाकर कहा I कितने दिन की दूँ? दुकानदार ने पूछा? भाई डॉक्टर ने कहा है एक महीना खानी है I ठीक है दुकानदार ने लिफ़ाफ़े में दवाई डाली लो भाई जी छत्तीस सौ नब्बे I छत्तीस सौ नब्बे? कुंदन ने चौंक कर पूछा? हांजी पेट में बहुत संक्रमण हो तब देते हैं इसको I कुंदन ने मन ही मन में हिसाब लगाया ________ मेरे पास तो बाईस सौ बीस ही बचे हैं I अभी घर जाना किराया लगेगा रास्ते में कुछ खाना भी पड़ सकता है I पर दवाई भी तो बहुत ज़रूरी है I भाई साहब आप पंद्रह दिन की दे दीजिए I अब कुंदन के पास लगभग चार सौ रुपए बचे थे I आते आते रास्ते में चिनार का पेड़ दिख गया लोग आईस क्रीम खा रहे थे I विनोद बोल पड़ा भाई आईस क्रीम________ कुंदन सोचने लगा पैसे चार सौ ही हैं रास्ते में खर्चा किराया ________ भैया दो आईस क्रीम देना I लो भाई जी चालीस रुपए I अरे बाप रे चालीस यहाँ दे देंगे तो कैसे चलेगा I भैया एक ही दो I लो विनोद तुम खा लो वैसे भी यहाँ सर्दी ज्यादा है कहीं मैं बीमार पड़ गया तो ड्यूटी कैसे जाऊंगा I नहीं भैया ऐसे कैसे चलेगा आप भी तो पिछली बार छत्तीस दिन यहाँ रहकरआईस क्रीम नहीं खा पाए थे I आओ दोनों आधी आधी खा लेते हैं I तेरा दिमाग़ खराब है लोग देख रहे बेज्ती हो जाएगी कुंदन ने कहा I चल एक काम करते हैं पहले में खा लेता हूं फ़िर मैं शौचालय जाने के बहाने तेरे पास आईस क्रीम दे जाऊँगा I और तू यह दिखावा करना कि आईस क्रीम पिघल जाएगी तो मैं ही खा लेता हूँ I और दोनों भाईयों ने ऐसा ही किया I